जनता कालेज बकेवर में हुआ आत्म निर्भर भारत की संकल्पना एक पहल पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन |

आज दिनांक 28-10-2024 को जनता कालेज बकेवर में आत्म निर्भर भारत की संकल्पना एक पहल विषय पर अनुसंधान, विकास एवं नवाचार प्रकोष्ठ द्वारा नवाचार एवं उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिये एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उदघाटन उपाध्यक्ष प्रबन्ध कार्यकारिणी श्री राजेन्द्र सिंह कुशवाहा ने किया एवं श्रीमती मंजू मिश्रा कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। इस कार्यशाला में क्षेत्रीय स्वयं सहायता समूह से आयीं महिलाओं ने अपने-2 बनाये गये घरेलू उत्पादों जैसे मिट्टी के दिये, गोबर के दिये, विभिन्न आकृतियों की आकर्षक मोमबत्तियाँ, गणेश-लक्ष्मी की गोबर से निर्मित मूर्तियाँ आदि का प्रदर्शन कर उपस्थित लोगों को बिक्री की। इस अवसर कालेज के प्राचार्य डा॰. राजेश किशोर त्रिपाठी ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में नवाचार को बढ़ावा देने से क्षेत्रीय लोग में गृहकार्य के साथ-साथ अपनी जीविका को बढ़ाने में सहायता मिलेगी। प्राचीन काल में लोग मिट्टी के बर्तन, मूर्तियाँ, सिरका, पापड़, अचार, मुरब्बा बनाकर छोटी-मोटी आय प्राप्त कर लिया करते थे। किन्तु वर्तमान समय में बहुराष्ट्रीय कम्पनियों ने ग्रामीण रोजगार को छीन लिया है। जबकि आज भी ग्रामीण क्षेत्र में प्रतिभाओं की कमी नहीं है। इस अवसर पर उन्होंने क्षेत्रीय स्वयं सहायता समूह से आयीं महिलाओं को सुझाव दिया कि वह अपने उत्पादों की अच्ठी पेंकिजिंग कर बाजार तक पहुँचायें एवं आनलाइन माध्यम से भी बाजार में उपलब्ध करायें जिससे उनके उत्पादों को अच्छे मूल्य प्राप्त हो सके तथा आय में वृद्धि हो सके। नवाचार केन्द्र के प्रभारी डा॰. नवीन अवस्थी ने सभी समूह के सदस्यों को आश्वस्त किया कि उनके द्वारा बनाये गये उत्पादों हेतु जो तकनीकी, गुणवत्ता तथा बिक्री के लिये सहायता कालेज स्तर पर दी जा सकती है, देने का हर सम्भव प्रयास किया जायेगा। कृषि क्षेत्र से जुड़े उत्पादों जैसे मसरूम कल्टीवेशन, बीज उत्पादन तथा तकनीकी से जुड़े कालेज के छात्रों द्वारा विकसित छोटे-2 नवाचार जैसे अन्धे व्यक्तियों के लिये स्मार्ट ग्लासिस एवं स्मार्ट स्टिकिस, साफ-सफाई हेतु स्मार्ट डस्टबिन, वायरलैस ए.सी. करेन्ट डिटैक्टर डिवाइस के सम्बन्ध जानकारी देते हुये उनका भी प्रदर्शन किया गया। कार्यशाला में मुख्य रूप से स्वयं सहायता समूहों की सदस्या अंजली सिंह, ममता देवी, मिथलेश कुमारी, रजनी एवं राधा ने प्रतिभाग किया साथ ही कालेज परिवार की ओर से डा॰. अशोक कुमार पाण्डेय, डा॰. ललित गुप्ता, डा॰. प्रकाश दुबे, डा॰. एम.पी. सिंह, डा॰. धर्मेन्द्र कुमार, डा॰. अभिषेक प्रताप सिंह, डा॰. आनन्द सिंह, नवाचार सहायक शैलेन्द्र मूर्तिकार, अजीत प्रताप अग्निहोत्री, डा॰. ज्योति भदौरिया, अश्वनी मिश्र, अजय शर्मा, पवन सक्सेना, सुबोध शुक्ला ने अपनी उपस्थिति दर्ज करायी।

vivo V25
Ajit Pratap Agnihotri Oct 28, 2024, 15:37

vivo V25

vivo V25
Ajit Pratap Agnihotri Oct 28, 2024, 15:35

नवाचार व उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिये कार्यशाला का हुआ आयोजन

लोक भारती न्यूज ब्यूरो

लखना,इटावा। सोमवार को जनता कालेज बकेवर में आत्म निर्भर भारत की संकल्पना एक पहल विषय पर अनुसंधान, विकास एवं नवाचार प्रकोष्ठ द्वारा नवाचार एवं उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिये एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला का उदघाटन उपाध्यक्ष प्रबन्ध कार्यकारिणी राजेन्द्र सिंह कुशवाह ने किया एवं कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में मंजू मिश्रा उपस्थित रहीं। इस कार्यशाला में क्षेत्रीय स्वयं सहायता समूह से आयीं महिलाओं ने अपने-2 बनाये गये घरेलू उत्पादों जैसे मिट्टी के दिये, गोबर के दिये, विभिन्न आकृतियों की आकर्षक मोमबत्तियाँ, गणेश-लक्ष्मी की गोबर से निर्मित मूर्तियाँ आदि का प्रदर्शन कर उपस्थित लोगों को बिक्री की। इस अवसर कालेज के प्राचार्य डॉ. राजेश किशोर त्रिपाठी ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में नवाचार

कार्यशाला में घरेलू उत्पादों को देखते

को बढ़ावा देने से क्षेत्रीय लोग में गृहकार्य के साथ-साथ अपनी जीविका को बढ़ाने में सहायता मिलेगी। प्राचीन काल में लोग मिट्टी के बर्तन, मूर्तियाँ, सिरका, पापड़, अचार, मुरब्बा बनाकर छोटी-मोटी आय प्राप्त कर लिया करते थे। किन्तु वर्तमान समय में बहुराष्ट्रीय कम्पनियों ने ग्रामीण रोजगार को छीन लिया है। जबकि आज भी ग्रामीण क्षेत्र में प्रतिभाओं की कमी नहीं है। इस अवसर पर उन्होंने क्षेत्रीय स्वयं सहायता समूह से आयीं महिलाओं को सुझाव दिया कि वह अपने उत्पादों की अच्छी पैंकिजिंग कर बाजार तक पहुँचायें एवं आनलाइन माध्यम से भी बाजार में उपलब्ध करायें जिससे उनके उत्पादों को अच्छे मूल्य प्राप्त हो सके तथा आय में वृद्धि हो सके। नवाचार केन्द्र के प्रभारी डॉ. नवीन अवस्थी ने सभी समूह के सदस्यों को आश्वस्त किया कि उनके द्वारा बनाये गये उत्पादों हेतु जो तकनीकी, गुणवत्ता तथा बिक्री के लिये सहायता कालेज स्तर पर दी जा सकती है, देने का हर सम्भव प्रयास किया जायेगा। कार्यशाला में मुख्य रूप से स्वयं सहायता समूहों की सदस्या अंजली सिंह, ममता देवी, मिथलेश कुमारी, रजनी एवं राधा ने प्रतिभाग किया। इस अवसर पर कालेज परिवार की ओर से डॉ. अशोक कुमार पाण्डेय, डॉ. ललित गुप्ता, डॉ. प्रकाश दुबे, डॉ. एम.पी. सिंह, डॉ. धर्मेन्द्र कुमार, डॉ. अभिषेक प्रताप सिंह, डॉ. आनन्द सिंह, डॉ. दिव्यज्योति मिश्रा,डॉ. अशोक चंदेल,डॉ. एम. के. यादव नवाचार सहायक शैलेन्द्र मूर्तिकार, अजीत प्रताप अग्निहोत्री, डॉ. ज्योति भदौरिया, अश्वनी मिश्र, अजय शर्मा, पवन सक्सेना, सुबोध शुक्ला आदि उपस्थिति रहे।

आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना एक पहल पर एक दिवसीय कार्यशाला का हुआ आयोजन

चेतना कार्यालय

बकेवर। सोमवार को जनता कालेज बकेवर में आत्म निर्भर भारत की संकल्पना एक पहल विषय पर अनुसंधान, विकास एवं नवाचार प्रकोष्ठ द्वारा नवाचार एवं उद्यमिता को बढावा देने के लिये एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उदघाटन उपाध्यक्ष प्रबन्ध कार्यकारिणी राजेन्द्र सिंह कुशवाह ने किया एवं कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में मंजू मिश्रा उपस्थित रहीं। इस कार्यशाला में क्षेत्रीय स्वयं सहायता समूह से आयीं महिलाओं ने अपने-2 बनाये गये घरेलू उत्पादों जैसे मिट्टी के दिये, गोबर के दिये, विभिन्न आकृतियों की आकर्षक मोमबत्तियाँ, गणेश-लक्ष्मी की गोबर से निर्मित मूर्तियाँ आदि का प्रदर्शन कर उपस्थित लोगों को बिक्री की। इस अवसर कालेज के प्राचार्य डॉ. राजेश किशोर त्रिपाठी ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में नवाचार को बढ़ावा देने से क्षेत्रीय लोग में गृहकार्य के साथ-साथ अपनी जीविका को बढ़ाने में सहायता मिलेगी। प्राचीन काल में लोग मिट्टी के बर्तन, मूर्तियाँ, सिरका, पापड़, अचार, मुरब्बा बनाकर

छोटी-मोटी आय प्राप्त कर लिया करते थे। किन्तु वर्तमान समय में बहुराष्ट्रीय कम्पनियों ने ग्रामीण रोजगार को छीन लिया है। जबकि आज भी ग्रामीण क्षेत्र में प्रतिभाओं की कमी नहीं है। नवाचार केन्द्र के प्रभारी डॉ. नवीन अवस्थी ने सभी समूह के सदस्यों को आश्वस्त किया कि उनके द्वारा बनाये गये उत्पादों हेतु जो तकनीकी, गुणवत्ता तथा बिक्री के लिये सहायता कालेज स्तर पर दी जा सकती है, देने का हर सम्भव प्रयास किया जायेगा। कृषि क्षेत्र से जुड़े उत्पादों जैसे मसरूम कल्टीवेशन, बीज उत्पादन तथा तकनीकी से जुड़े कालेज के छात्रों द्वारा विकसित छोटे-2 नवाचार जैसे अन्धे व्यक्तियों के लिये स्मार्ट ग्लासिस एवं स्मार्ट स्टिकिस, साफ-सफाई हेतु स्मार्ट डस्टबिन, वायरलैस ए.सी. करेन्ट डिटैक्टर डिवाइस के सम्बन्ध जानकारी देते हुये उनका भी प्रदर्शन किया गया। कार्यशाला में मुख्य रूप से स्वयं सहायता समूहों की सदस्या अंजली सिंह, ममता देवी, मिथलेश कुमारी, रजनी एवं राधा ने प्रतिभाग किया। इस अवसर पर कालेज परिवार की ओर से डॉ. अशोक कुमार पाण्डेय, डॉ. ललित गुप्ता, डॉ. प्रकाश दुबे, डॉ. एम.पी. सिंह, डॉ. धर्मेन्द्र कुमार, डॉ. अभिषेक प्रताप सिंह आदि रहे।